भारतीय संविधान और राजनीति

Ajanta
Page No.
Date

* भारत की स्वतंत्रता के साथ ही एक संविधान की आवश्यकता हुई जिसके बारे में भारतीय कम्युनिस्ट विचारक एम॰एन॰ राय ने 1934 में ही अपने विचार व्यक्त किए थे।
* संविधान निर्माण के लिये एक संविधान सभा का निर्माण 1946 में किया गया। जिसने 1950 में अपना कार्य सम्पन्न कर दिया।
* 20 फरवरी 1947 को ब्रिटिश प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली ने यह घोषणा की कि 30 जून 1948 तक भारत से ब्रिटिश राज्य का अन्त हो जाएगा।
* 3 जून 1947 को ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने यह घोषणा की कि भारत में निर्मित संविधान को किसी पर थोपा नहीं जाएगा। इसी दिन लार्ड माउण्टबेटन ने भारत विभाजन की योजना प्रस्तुत की जिसे माउण्टबेटन योजना के नाम से जाना जाता है।

* 1935 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भी भारत के संविधान निर्माण के लिए एक संविधान सभा की मांग रखी थी।
* अगस्त 1940 में अंग्रेजों ने संविधान निर्माण की बात मान ली जिसे 'अगस्त ऑफर' के नाम से जाना जाता है।
* ब्रिटेन ने सर स्टैफर्ड क्रिप्स की अध्यक्षता में 1946 में क्रिप्स मिशन, भारत भेजा जिसमें भारत विभाजन की बात नहीं कही गयी थी इसलिये मुस्लिम लीग ने इसके प्रस्तावों को मंजूर नहीं किया।
* अन्त में कैबिनेट मिशन भारत आया जिसके सिफारिशों के आधार पर संविधान सभा का निर्माण शुरु

Scanned By Scanner Go

हुआ।

- नवम्बर 1946 में कैबिनेट मिशन का गठन किया गया जिसकी विशेषतायें निम्नलिखित थी।

(a) संविधान सभा की कुल संख्या (सदस्य) 389 निर्धारित की गयी जिसमें से 296 सीट ब्रिटिश भारत के लिये 93 सीट देशी रियासतों के लिये निर्धारित किये गये।

(b) सभी प्रान्तों और देशी रियासतों को उनकी जनसंख्या के आधार पर सीट आवंटित किये गये। प्रायः 10 लाख की जनसंख्या पर एक सीट निर्धारित किया गया।

(c) देशी रियासतों के प्रतिनिधि वहाँ के राजाओं द्वारा नामित किये गये।

- इस प्रकार यह स्पष्ट है कि संविधान सभा के सदस्य अंशतः चयनित और अंशतः नामित थे।

(d) ब्रिटिश भारत के प्रान्तों के प्रतिनिधियों का चुनाव जुलाई - अगस्त 1946 में किया गया। इलेक्शन में भारतीय कांग्रेस ने 208 सीटें, मुस्लिम लीग 73 और दूसरे दलों ने 15 सीट जीती।

क्रमशः

Dr. Rama Kant Pandey

S.R.A.P College

Bara Chakia

pol-sc (Hons)

part-I

paper-I

Scanned By Scanner Go